A–0297

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DPJ-103

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

(विवाह मेलापक एवं गोचर विचार)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×26=52)

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गौचर ग्रहों के फल लिखिए।

2. शनि-गुरु बुध का गौचर फल का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. मांगलिक दोष विचार का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. साढ़ेसाती से आप का समझते हैं ? उल्लेख कीजिए।

5. ग्रहों के अनुसार अंगफल का विचार कर उल्लेख कीजिए।

अथवा

लग्नादि द्वादशभावों का विचार कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×12=48)

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शनि की ढय्या का विचार कीजिए।

2. सूर्य का पञ्चम-नवम-एकादश भाव गत फल लिखिए।

3. गौचर कुण्डली क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

4. विवाह मेलापक में धन और स्वास्थ्य का विचार कैसे किया जाता है ?

5. विवाह में गुरु–शुक्र के बल का विचार कीजिए।

6. भारतीय विवाह पद्धति के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. मांगलिक दोष परिहार कैसे होता है ? स्पष्ट कीजिए।

8. राशि–मैत्री व योनी विचार कीजिए।

अथवा

गुण दोष क्या है ? उसका परिहार सहित उल्लेख कीजिए।

****